

20/11/25

पत्तावली पेवाहूर । उष्यो अनुपास्थित । लिपिकी  
अनुपास्थित । रूक-रूक कर तीन-चार आवाजे  
पिलवाइ मदि । अकम सोम 5PM हो चुका हें । अतः  
उष्यो के अनुपास्थित रहने पर उष्यो का प्रविश-पत्र  
अकम हाली । अकम पेशी में रवणिल किजा पाता  
हें । पत्तावली फंसल अमार होकर लम्बर से कम  
ली

विठ्ठल सुगामा गमा ।

